

भारतीय जनसेवा संस्थान

अखिल भारतीय सेवा संगठन

सेवा कार्य-प्रगति विवरण



भारतीय जनसेवा संस्थान

अध्यक्ष :

श्री मूलचन्द गर्ग
(सेवानिवृत्त न्यायाधीश)

उपाध्यक्ष :

श्रीमती अरुणा आचार्य
श्री लोकनाथ शर्मा
श्री रामकृष्ण गौड

महामंत्री :

श्री जुगलकिशोर

केन्द्रीय कोषाध्यक्ष :

श्री मनोहरदास गुजराती

मंत्री :

श्री धर्मनारायण शर्मा

सहमंत्री :

डॉ. वीणा सनाद्य

बैंक :

ओरियंटल बैंक ऑफ कामर्स

A/C : 04072010023350

IFSC Code : ORBC0100407

शाखा : बसंत लोक,
बसंत विहार, नई दिल्ली
प्रकाशन : भारतीय जनसेवा संस्थान

भारत माता भवन, सैक्टर-6,
रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022
दूरभाष नं. : 011-26187309

मो. : 09414363464

प्रकाशन तिथि : अप्रैल 2018

एक निवेदन

(दानदाताओं के नाम)



आदरणीय दानदाताओं को सूचित करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि भारतीय जनसेवा संस्थान सन् 1986 से भारत के सुदूर वनवासी (आदिवासी) क्षेत्रों में तथा मलिन बस्तियाँ जहां गरीबी, दुर्व्यसन, अशिक्षा कुसंस्कार डेरा जमायें हुए हैं। इनकी सेवा करने के उद्देश्य से इन क्षेत्रों में इनका सर्वांगीण विकास हेतु विद्यालय (उच्च माध्यमिक विद्यालय) तक, छात्रावास, बाल संस्कार केन्द्र, कोचिंग क्लास आदि शिक्षा के कार्य तथा कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र, सिलाई केन्द्र आदि स्वावलम्बन के कार्य तथा उनकी चिकित्सा सेवा हेतु दैनिक औषधालय, चल चिकित्सा वाहन (मोबाइल वाहन) तथा औषधि वितरण केन्द्रों के माध्यम से दरिद्र नारायण की सेवा का कार्य राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, आन्ध्र, उड़ीसा, झारखण्ड, त्रिपुरा आदि अनेक प्रान्तों में कार्य हो रहा है।

आपके समक्ष भारतीय जनसेवा संस्थान की वार्षिक विवरणिका (रिपोर्ट) प्रस्तुत है।

आप जैसे दानवीर सज्जनों के सहयोग से यह सेवा कार्य निरन्तर चलता रहेगा। आशा है आप इस कार्य में उदार हृदय से सहयोग करेंगे- यह अपेक्षा है।

महामंत्री
भारतीय जनसेवा संस्थान



- देश के तीस प्रान्तों में शैक्षणिक गतिविधियाँ गतिशील हैं।
★★★★★
- पूर्वांचल (त्रिपुरा-मिजोरम्) में राष्ट्र की मुख्य धारा से भटके 450 नवयुवकों को पुनः राष्ट्रीय धारा में जोड़ा है आज वे अपने विद्यालयों में आचार्य के रूप में कार्य कर रहे हैं।
★★★★★
- वर्तमान में 50000 छात्र-छात्रायें पूर्ण विद्यालयों में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। बांसवाड़ा तथा ब्यावर (राजस्थान) देश की सबसे बड़ी परियोजनायें हैं जहाँ सर्वाधिक बालक अध्ययन कर रहे हैं।
★★★★★
- छात्र-छात्राएँ बाल संस्कार केन्द्रों में एवं पुस्तकालयों के माध्यम से ज्ञान एवं संस्कार ग्रहण कर रहे हैं।
★★★★★
- बांसवाड़ा परियोजना द्वारा बाल गोकुलम् योजना के अन्तर्गत वनवासी परिवारों से 114 बालकों को गोद लिया है। इनका सम्पूर्ण दायित्व (आवास-भोजन-शिक्षा-संस्कार आदि) परियोजना देख रही है। इनका सर्वांगीण विकास हो रहा है।
★★★★★
- छात्रावासों में नित्य संस्कार प्रधान दिनचर्या में 1530 छात्र-छात्रायें स्वाध्याय एवं शिक्षण लेने में अध्ययनरत हैं।



योजनाएँ

- 1,00,000 (एक लाख) ग्रामों में बाल संस्कार केन्द्र, प्राथमिक विद्यालय तथा योग प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना।
- स्वास्थ्य रक्षा एवं चिकित्सा हेतु 1,00,000 (एक लाख) छोटे ग्रामों में औषधि वितरण केन्द्र एवं चिकित्सालयों का संचालन करना।
- भारत के सभी प्रांतों के गरीब-निर्धन बालकों के लिए 1000 प्राथमिक विद्यालय प्रारम्भ करना।
- देश के सभी प्रांतों के असहाय बालकों के लिए 100 छात्रावास भवनों का निर्माण करना।
- स्वास्थ्य रक्षा एवं चिकित्सा हेतु देश के विभिन्न जिलों में एक-एक भ्रमणशील वाहनों की व्यवस्था करना।
- भारत के गरीब-निर्धन व्यक्तियों के लिए ग्राम-ग्राम में चिकित्सा शिविरों का संचालन करना।
- सेवा प्रकल्प एवं जन जागरण के कार्यक्रमों का संचालन करने हेतु 1000 नये पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं की नियुक्ति करना।

आप सहायता इस प्रकार कर सकते हैं?

- एक छात्रावास भवन निर्माण हेतु कम से कम रुपये-20,00,000/- (बीस लाख रुपये) की आवश्यकता रहेगी।
- विद्यालय संचालन हेतु एक लाख रुपये का आर्थिक सहयोग।
- एक लाख रुपये प्रतिवर्ष देकर एक सेवा प्रकल्प का दायित्व स्वीकार करना।
- प्रत्येक प्राथमिक विद्यालय संचालन हेतु 1,00,000 (एक लाख) रुपये वार्षिक सहायता।
- चिकित्सा केन्द्रों हेतु औषधि प्रबन्ध 10000 रुपये मासिक।
- एक चिकित्सक हेतु 15,000 रुपये मासिक।
- एक सिलाई/बुनाई प्रशिक्षण केन्द्र हेतु 5000 रुपये मासिक।
- एक बालबाड़ी के संचालन हेतु 2500 रुपये मासिक।
- एक छात्र/छात्रा को छात्रवृत्ति 1000 रुपये मासिक।
- एक गर्भवती महिला के पोषाहार हेतु 1000 रुपये मासिक।
- सेवा प्रकल्पों एवं भ्रमणशील कार्यकर्ता हेतु मासिक रुपये-10,000/- (दस हजार रुपये) का आर्थिक सहयोग करना।
- प्रत्येक संचालित केन्द्र हेतु मासिक रुपये-6000/- (छःहजार) का आर्थिक सहयोग करना।
- उदार हृदय से स्थायी कोष (कार्पस फण्ड) हेतु अधिकाधिक आर्थिक सहयोग।
- भारतीय जनसेवा संस्थान के आजीवन सदस्य हेतु 11000रु., विशेष सदस्य 51000रु. तथा संरक्षक सदस्य 1,00,000रु. का आर्थिक सहयोग।



‘सा विद्या या विमुक्तये’ शैक्षणिक गतिविधियाँ



गुडगांव (हरियाणा) में श्री शक्ति छात्रावास के उद्घाटन समारोह के अवसर पर बालक देशभक्ति गीत की प्रस्तुति देते हुए



सेवा कार्य - भारतीय जनसेवा संस्थान, बासवाड़ा

शैक्षणिक सेवा प्रकल्प 958

विद्यालय	544
बाल संस्कार केंद्र	301
छात्रावास	54
पुस्तकालय	59



जाडा स्कूल, राजगांगपुर



सर्वे सन्तु निरामयाः



उड़ीसा, राजस्थान एवं दिल्ली में नियमित औषधालय तथा अन्य प्रान्तों में औषधि-सहायता केन्द्र। उड़ीसा (सोनाखान ग्राम) में स्थायी औषधालय कार्यरत है।

स्वास्थ्य केन्द्र
32

औषधि सहायता
फेन्ड 25

चल विकित्सा
वाहन 3

विकित्सालय
4

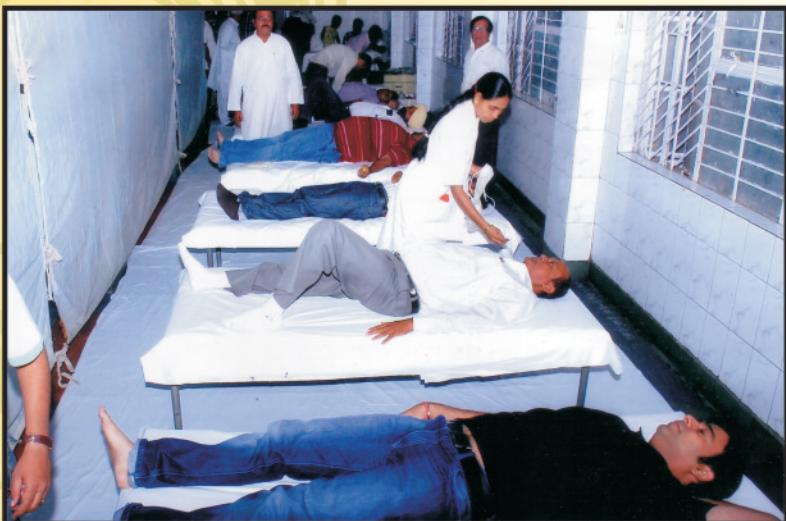
सम्पूर्ण देश में प्रतिमाह 1 लाख वनवासी तथा गरीब तथा पिछड़े लोगों की सेवा हो रही है।



सोनाखान स्वास्थ्य प्रकल्प
स्थायी औषधालय-सोनाखान (उड़ीसा) में निरंतर चिकित्सा-सेवा गतिशील हैं।



वृज विहार चिकित्सा केन्द्र में रोगी की जाँच करते
डॉ. शशी भूषण जी (दिल्ली)



रक्त दान शिविर, भोपाल



चांग गांव में औषधि वितरण करते हुए
ब्यावर (अजमेर-राजस्थान)



अहर्निश सेवामहे



मिजोरम की बालिकाएं मोहकमपुरा ग्राम
(बांसवाड़ा-राजस्थान) में देशभक्ति-गीत गाती हुई



बाल संस्कार केन्द्र, दिल्ली



श्री शक्तिपीठ अनाथ आश्रम जामडोली, जयपुर (राजस्थान)



ग्राम टाण्डीनानी, जिला-बांसवाड़ा (राजस्थान)



उद्यमेन हि सिद्धयन्ति



सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र-दिल्ली, राजस्थान, आन्ध्र, तमिलनाडु, उड़ीसा, उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड, मध्यभारत, हरियाणा, पंजाब आदि में कार्यरत हैं। 1000 महिलायें प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं।



देवभूमि जनसेवा संस्थान, उत्तराखण्ड के तत्वावधान में ग्राम-कोटा माच्छा हेड़ी (धनौरी) में कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र के शुभारम्भ के अवसर पर श्री अशोक जी तिवाड़ी तथा प्रमोद कुमार जी उपस्थित रहे।



कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र - दिल्ली

- सिंचाई हेतु कुएं गहरे करवाये - 950
- सिलाई केन्द्र - 66
- विविध लघु उद्योग - 10
- कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र - 31
- कुल स्वावलम्बन के कार्य - 1057



निहालपुरा - बांसवाड़ा शिशु संगम - शिविर



सिलाई केन्द्र, भोपाल (मध्य प्रदेश)

बांसवाड़ा परियोजना ने जिले में 950 कुएं गहरे कराये - जिससे 6000 किसान लाभान्वित हो रहे हैं।



अतीतमण्ड (व्यावर-राजस्थान) ग्राम के उ. प्राथमिक विद्यालय के बालक प्रार्थना सभा करते हुए। मंच पर लंदन (ब्रिटेन) के सेवाभावी कार्यकर्ता श्री विनोद (बीनू भाई) बालकों को संबोधित करते हुए। साथ में भारतीय जन सेवा संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री हरिओम जी तायल तथा महामंत्री जुगलकिशोर बैठे हुए।



अनाथ आश्रम, जिला-सुन्दरगढ़ (उडीसा)



पातालरोड नामक स्थान में वनवासियों को वस्त्र
वितरण करते हुए मा. मोहन जी जोशी, जिला छिंदवाड़ा (म.प्र.)



पोर्ट ब्लेयर (अण्डमान) के बालकों को श्री दिनेश जी गोयल
मार्गदर्शन करते हुए।



जनजागरण कार्यक्रम (उड़ीसा) में श्रीमती अरूणा जी
आचार्य (राष्ट्रीय संयोजिका नारी शक्ति मंच)
संबोधित करती हुई। (उड़ीसा)



ट्रिपुरा कार्यक्रम में दायें से श्री स्वदेशपाल जी (दिल्ली),
राजेश जी राजपाल, श्रीमती ललिता जी निझावन, महेन्द्र जी,
जुगलकिशोर (महामंत्री भारतीय जनसेवा संस्थान)



श्री सत्यम् जी (दक्षिणांचल श्रेत्रीय प्रमुख)
जनजागरण कार्यक्रम (आंध्र) को संबोधित करते हुए।



दीप पूजा कार्यक्रम, तमில்நாடு



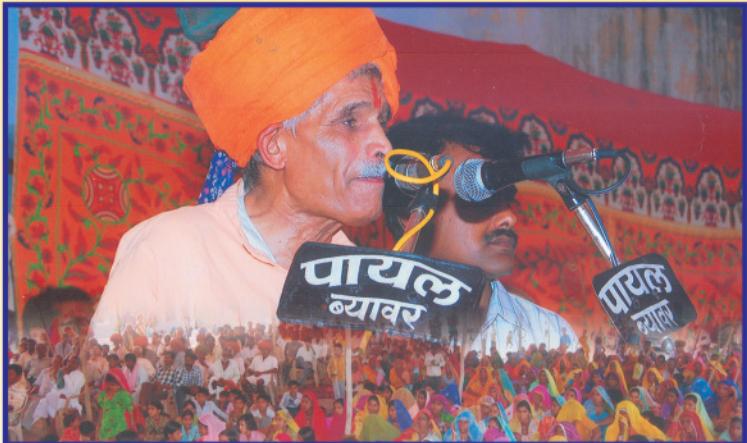
जनजागरण कार्यक्रम - कर्नाटक



सेन्दङा (ब्यावर-अजमेर) के जन-सम्मेलन को
भारतीय जनसेवा संस्थान के कार्याध्यक्ष
माननीय मोहन जी जोशी सम्बोधित करते हुए।



उड़ीसा के जलसेपेटा कन्याश्रम में सामूहिक गीता पाठ के कार्यक्रम
में उपस्थित भाऊजोसेवन के अध्यक्ष श्री मूलचंद जी गर्ग,
पूर्ण जीवन मुक्तानन्द जी महाराज, श्री स्वदेशपाल जी, श्री सरीन जी,
पवित्र मोहन जी तथा लोकनाथ जी



सेन्द्रडा (ब्यावर-अजमेर) के जन-सम्प्रेलन को
भारतीय जनसेवा संस्थान के कार्याध्यक्ष
माननीय मोहन जी जोशी सम्बोधित करते हुए।



श्रीकृष्णाष्टमी के अवसर पर बालकों का मनोरम कार्यक्रम, तमिलनाडु



भारतीय जनसेवा संस्थान दरिद्रनारायण की सेवा में विभिन्न परियोजनाएं



कुल विविध कार्य
2024

शिक्षा 867

विकित्सा-स्वास्थ्य
फैंड 32

स्वावलम्बन फैंड
1125



विशेष:- विभिन्न प्रांतों में सेवा कार्य



- मिजोरम-त्रिपुरा (पूर्वांचल) में 146 विद्यालय चल रहे हैं। जिनमें लगभग 6425 छात्र-छात्रायें अध्ययनरत हैं एवं 292 कार्यकर्ता कार्यरत हैं।
- उड़ीसा में औषधालय-1, चल चिकित्सा वाहन-1, विद्यालय एवं संस्कार केन्द्र-14, वस्त्र वितरण-1500 लाभान्वितजन-5500
- देश के अनेक प्रांतों में विविध प्रकार के सेवा कार्य तथा महिला, युवा एवं वनवासी सम्मेलन निरंतर होते रहते हैं।
- छात्रावास-राजस्थान, गुजरात, उड़ीसा, महाराष्ट्र, त्रिपुरा एवं मिजोरम, उड़ीसा आदि।
- विद्यालय (प्राथमिक, माध्यमिक, उ.माध्यमिक)- राजस्थान, उड़ीसा, महाराष्ट्र मिजोरम, तथा त्रिपुरा आदि।
- बाल संस्कार केन्द्र-उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, मध्यप्रदेश, गुजरात, आन्ध्रप्रदेश, तमिलनाडु, झारखण्ड, बिहार, दिल्ली, राजस्थान आदि।
- सिलाई केन्द्र एवं कम्प्यूटर केन्द्र- हिमाचल प्रदेश, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, आन्ध्र, तमिलनाडु आदि।
- औषधालय तथा सहायता केन्द्र- उड़ीसा, राजस्थान, दिल्ली आदि।

बांसवाड़ा (राजस्थान) सेवा परियोजना देश की सबसे विशाल परियोजना है। प्रेरणादायक विवरण निम्न प्रकार है।

व्यावर (अजमेर, राजस्थान) सेवा परियोजना का देश में विशिष्ट प्रकार का स्थान है। उत्प्रेरक विवरण निम्न प्रकार से है।

क्रमांक	प्रकल्प का प्रकार	प्रकल्प संख्या	लाभान्वितजन	कार्यकर्ता	सम्पर्कित ग्राम	क्रमांक	प्रकल्प का प्रकार	प्रकल्प संख्या	लाभान्वितजन	कार्यकर्ता	सम्पर्कित ग्राम
1.	आश्रम (छात्रावास)	16	280	35	225	1.	छात्रावास	2	68	7	65
2.	उच्च माध्यमिक विद्यालय	21	5826	210	300	2.	उच्च प्राथमिक विद्यालय	3	300	6	12
3.	माध्यमिक विद्यालय	18	4186	245	205	3.	प्राथमिक विद्यालय	3	300	6	12
4.	उच्च प्राथमिक विद्यालय	93	15088	670	400	4.	सद् साहित्य वितरण केन्द्र	1	1000	1	60
5.	प्राथमिक विद्यालय	203	8110	401	399	5.	चल चिकित्सा वाहन	1	3500	2	200
6.	पुस्तकालय	43	590	...	40	6.	सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र	1	125	2	15
7.	सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र	1	50	2	...	7.	कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र	3	78	3	45
8.	कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र	1	45	1	42	8.	आयुर्वेदिक औषधि केन्द्र	30	1500	30	100
9.	कुएं गहरे करवाये	950	6000			9.	खेलकूद केन्द्र	12	900	...	12
	योग	1346	40175	1564	1611		योग	101	11381	154	916



सेवा प्रकल्प प्रान्तानुसार

